संघ लोक सेवा आयोग
मुख्य परीक्षा पेपर

डाउनलोड

संघ लोक सेवा आयोग

मुख्य परीक्षा

प्रश्न पत्र – 2018

(वैकल्पिक साहित्य विषय)

विषय : मैथिली पेपर – २ (Maithili Paper - 2)

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

EGT-D-MTLI

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : **Three Hours***	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

एतय दु **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि ।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक **खण्ड (SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशत: लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

SECTION A

Q1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) बाग्मति – कमला कोसिक धारा
जा धरि पृथिवी सागर जा धरि
जीवित रहब अहाँ तहिआ धरि
काए – बचनसँ अथवा मनसँ
हिंसा कएल न कोनो जीवक
कोटिक कोटि मनुक्खक हित लए
जिनगी अपन बिताओल गरीबक
दुख ककरो नहि देल कनेको
अपने विपति उठाओल अनेको
जिवितहिँ परसल कीर्ति भुवन भरि
तेना बहाओल शान्तिक सुरसरि । *10*

(b) चाँद सार लए मुख घटना करू
लोचन चकित चकोरे ।
अमिय धोए आँचरे जनि पोछल
दह दिस भेल उजोरे ।।
कामिनि कोने गढ़ली ।
रूप सरूप मोहि कहइते असम्भव
लोचन लागि रहली ।।
गुरू नितम्ब भरे चले न पारए
माझ खीनिम निमाइ ।
भांगि जाइति मनसिजे धरि राखलि
त्रिबलि लता अरुझाइ ।। *10*

(c) गान विशद जानथि लयताल । कंठ मधुर स्वर सुखद विशाल ।।
बालमिकी मुनि शिक्षा देल । रामचरित कंठे कय लेल ।।
जखन करथि रामायण गान । वशीकरण सन मंत्र प्रमाण ।।
सुनि सभजन हो प्रेम अधीन । मृगगण यथा विवश सुनि बीन ।।
पुलकित तन सुख हो नहि थोर । हृदय हरष दृग बरखय नोर ।।
मुनिगण जप तप देलनि त्यागि । रामचरित सुनि भेला विरागि ।। *10*

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

(d) गुरूजन सरुचि समापि सकल अविकल जत शिक्षा ।
ग्रन्थ-ग्रन्थि पुनि क्रिया-पन्थ, मुख-लेख परीक्षा ।।
ज्ञान चरित सन्धान दक्षता सभक समीक्षा ।
देखि सकल स्नातककेँ देलन्हि जीवन दीक्षा ।।
सत्य ध्येय, शिव समाधेय, सौन्दर्य साधना ।
जीवन काव्यादर्श प्रकृत रस गुण उपासना ।।
साध्य-साधनक पावनता तन-मनक प्रवणता ।
सत्य तथा श्रमसँ सभ अर्थक सिद्ध सफलता ।। 10

(e) जूड़क-चूड़ मयूर-शिखण्डक, मंडित मालति-माले ।
सौरभ उनमत भ्रमरि भ्रमर कत चौदिशि करत झंकारे ।।
सजनि के कह काम अनङ्ग ।
केलि कदम्बतर से रति-नागर पेखल नटवर-भंग ।।
कतहु विषमशर नयन-तूण भर संचर भौंह कमान ।
नागरि-नारि मरम मह हानए लखएन पारए आन ।। 10

Q2. (a) सामाजिक विषमता आ तकरा सँ उत्पन्न स्थितिक कुरूपता सहज आ सरल उपस्थापन यात्रीक कवितामे अनायासे देखल जा सकैछ — चित्राक आधार पर एहि उत्तिक प्रतिपादन करू । 20

(b) "समकालीन मैथिली कविता"क आधार पर कविवर मायानन्द मिश्रक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15

(c) राम-सीता सहित अयोध्या प्रस्थान एवं बालकाण्डक महिमा कथन कए लालदास एहि काण्डक समापन कएने छथि — रमेश्वर चरित मिथिला रामायणक आधार पर सयुक्ति विवेचन करू । 15

Q3. (a) "कीचक-वध" मे कवि वर्णनक प्रति विशेष मात्सर्य नहि देखा भावनात्मक क्रमबद्ध सुनियोजित एवं चारित्रिक विकास दिस अधिक उन्मुख भेल छथि — एहि उक्ति पर विचार करू । 20

(b) मनबोधक "कृष्णजन्म" अपन वर्णन-वैभव हेतु मैथिल-संस्कृतिक उन्मुक्त दस्तावेज थिक' — विवेचन करू । 15

(c) "मिथिला भाषा रामायण"क सुन्दर काण्ड मे वर्णित हनुमानक साहस आ पराक्रमक सजीव चित्रण करू । 15

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

Q4. (a) "गोविन्ददास भजनावली"क सामग्री शृंगारक अछि परन्तु अपनाकेँ अलौकिक प्रणय-लीलाक साक्षी मानि गोविन्ददास अपन भक्त हृदयक परिचय दैत छथि' — एहि उक्तिक आलोकमे गोविन्ददासक भक्ति-भावनासँ परिचय कराउ । *20*

(b) 'विद्यापति जनसाहित्यक निर्माण कएल, मानव हृदयक मूलभूत वासनाकेँ, नैसर्गिक भाव ओ भावावेशकेँ अत्यन्त सूक्ष्मतासँ यथावत चित्रण कएल' — पठित अंशक आधार पर उपर्युक्त कथनक समीक्षा करू । *15*

(c) "दत्त-वती" सुरेन्द्र झा 'सुमन'क जीवन-जगत ओ संस्कृति-दर्शन-सम्बन्धी विचारधाराक कवित्वमय आकर-ग्रन्थ थिक — सयुक्ति प्रतिपादन करू । *15*

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

SECTION B

Q5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) आ सभसँ अन्तिम दृश्य छल लस्सा लागल कमचीमे फसल चिड़ैक, जे छटपट करैत छल, अहुरिया कटैत छल, मुदा ओहि फाँससँ छुटबाक कोनोटा रास्ता ओकरा सुझाइ नहि दैत छलैक । ओ जतेक छटपटा रहल छल, जतेक कूदि फानि रहल छल ततेक ओकर पाँखिसभ औरो फँसले जाइत छलैक, लभझायले जाइत छलैक । ओहि घड़ी ओकराने प्रियाक सौन्दर्य सोहाइ, ने किछु । हड़िघड़ी ओकरा अन्तरसँ आकुल-क्रन्दन उठैक, धू-धू करैत जकर भाफ अश्रुक रूपमे आँखिक मार्गसँ बहि रहल छलैक, ओकर अतीतक अकर्मण्यतारूपी पापकेँ बहाक दूर ल' जयबाक हेतु । पश्चात्तापक धधकैत आगिमे अतीतक संचित विकार जरिक' सुड्डाह नहिभ' जाइत छैक की ...... । *10*

(b) कन्दलित तारुण्य. अपगत बाल्य. उद्भूत अभिलाष. अपगति लज्जा. जागरुक भाव. अङ्कुरित. एवम्विध नायिका. कुण्डल दुइ रत्नमण्डित त(क)रा कान कइसन देषु. जनि कामदेवकाँ रथँ चक्रदुइ जालल अछ. सोनाक डोरेँ मध्यभाग वाँधल कइसन देषु. जनि सौन्दर्यक तुलापुरुष काछल बाँन्धल अछ. *10*

(c) ओ छथि पुरान लोक .... पुरान मान्यतामे जिनिहार । ओ नोकरीकेँ प्रतिष्ठाक काज बुझैत छथि आ बनियाक काजकेँ नीच कर्म मानै छथि । हुनकर मान्यता पर हम किए आघात करियनि । हम जाहि संसारमे जीवि रहल छी, अपन अस्तित्वक लेल जेहन संघर्ष हमरा लोकनिकेँ करड पड़ि रहल अछि ताहिसँ ओ अपरिचित छथि । ओ अपन संसारमे रहथु, हम अपन संसारक आगिसँ हुनका किए झरकबियनु । *10*

(d) पूर्णिमाक ओइ ज्योत्स्नामय सांझमे, कमलाक धार किछु दूर पर ओ लोकनि, एकटा कारी टिलहा केँ, भसिआइत चल अबैत देखलथिन्ह । हुनका लोकनिकेँ छगुनता लागि गेलन्हि जेई पाथरक टिलहा कोना भसिआइत आबि रहल छैक । तखनहि, रंग-बिरंगक वस्त्राभूषणसँ सुसज्जित नारी दल झमझम-खमखम करैत बरियाती वलासँ गुआ-पान मांगए लेल अषाढ़क घटा जकाँ उमड़ि आएल । एक सँ एक कठमस्त छलि ओ सभ । ओकरा सभहिक शरीर अपना-अपना साड़ीमे अंटियो नहि रहल छलैक । *10*

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

(e) लोक कहैत अछि, पृथ्वी पर जतेक पाप होइत अछि, सभक एकमात्र कारण थिक इऐह वस्तु – उत्सुकता ! उत्सुकता, पाप आ अपराध दुनू वस्तुक जननी ! .... हम सभ कोनो वस्तुक प्रति, ओकरा प्राप्त करबाक लेल ओहि वस्तुक सम्पूर्ण व्यक्तित्व कें अपन बाँहिमे, अपन वक्षमे, अपन अनामा आँगुरमे सोनाक अनन्त जकाँ, नीलमणि औँठी जकाँ पहिरि लेबाक लेल उत्सुक होइत छी आ उताहुल होइत छी । आ तकरा बाद हमरा सभक जीवन आ जीवनक उद्देश्य आ विधेय बदलि जाइत अछि .... । 10

Q6. (a) "लोरिक विजय"क कथावस्तु अति-रोचक होइतहुँ एहिमे अतिशयोक्तिक अभिव्यंजना कएल गेल अछि' — एहि कथन पर विचार करू । 20

(b) उपन्यासकार ललित "पृथ्वीपुत्र"मे मानव स्वभावक नैसर्गिक प्रवृत्ति ओ भावनाकेँ जे प्रधानता देल अछि से हुनक स्वस्थ दृष्टिकोणक द्योतक थिक — समीक्षा करू । 15

(c) "खट्टर काकाक तरंग" मे वर्णित विषय विचारात्मक, सरस, मनोरंजक एवं व्यंग्यक अत्यन्त स्पष्ट रूप परिलक्षित होइछ — स्पष्ट करू । 15

Q7. (a) "वर्णरत्नाकर" मे ज्योतिरीश्वर सर्वत्र प्रतीयमान चित्त देल अछि, त' कतौ-कतौ सम्भाव्य सेहो अछि, जाहि सँ वर्णनक आदर्श चित्रण प्रस्तुत भेल अछि — पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू । 20

(b) 'मधुरमनि' कथामे किरणजी श्रमजीवी वर्गक दाम्पत्य जीवनक अनुरागक हिलसगर कथा कहने छथि' — सिद्ध करू । 15

(c) मिथिलांचलक मध्यमवर्गक अभिजात्य छद्मक विद्रूप राजकमलक कथाक मूलतत्त्व कहल जा सकैत अछि — विवेचन करू । 15

Downloaded From: http://www.dhyeyaias.in

Q8. (a) ललितक "पृथ्वीपुत्र" नवीन शिल्पक एक एहन उपन्यास अछि जाहिमे स्वातन्त्र्योत्तर ग्रामीण समाजक परिवर्तनशील परिवेशक संघर्षशील कृषक-मजूरक निम्नवित्तीय स्थितिक कलात्मक चित्रण कएल गेल अछि — स्पष्ट करू । *20*

(b) 'झगड़ा' संयोगाश्रित घटना प्रधान कथा अछि जकर उद्देश्य करुणा उत्पन्न करब थिक – एहिमे लेखककेँ प्रर्याप्त सफलता भेटल छनि — प्रमाणित करू । *15*

(c) "भफाइत चाहक जिनगी"क नाटककार शिक्षित बेरोजगार युवकक माध्यमे समाजमे व्याप्त जीवनक समस्या एवं संघर्षक चित्रणक संग परिस्थितिक अनुसार अपनाकेँ अनुकूल बना सकए तकर बुद्धिवादी सामंजस्य प्रस्तुत कएलनि अछि — एहि तथ्यक मूल्यांकन करू । *15*

ध्येय IAS अब व्हाट्सएप पर

Dhyeya IAS Now on Whatsapp

ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप से जुडने के लिए 9205336069 पर "Hi Dhyeya IAS" लिख कर मैसेज करें

आप हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी जुड सकते हैं

www.dhyeyaias.com
www.dhyeyaias.in

ध्येय IAS
most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400